सच्ची सफलता हेतु कुछ अनिवार्य शर्तें

रमा मेहता
वैज्ञानिक " ब"

सफलता मात्र संयोग का नाम नहीं है। यह दृष्टिकोण का परिणाम है। नीतिपूर्वक चलकर ही सच्ची सफलता अर्जित की जा सकती है। इस राह पर प्राप्त असफलता भी उतनी ही श्रेष्ठ एवं वरेण्य है। सफलता एक अनुभव है। सफलता कोई रहस्य नहीं, वरन् कुछ बुनियादी नियमों का सतत पालन करने का सुखद परिणाम है। इसके विपरीत असफलता कुछ गलतियों को लगातार दुहराने का नतीजा है।

अर्ल नाइटिंगैल के अनुसार, "मूल्यवान लक्ष्य की लगातार प्राप्ति का नाम ही सफलता है।" सफलता सतत प्रयास का नाम है। सफलता एक सफर है , मंजिल नहीं। मंजिल या लक्ष्यप्राप्ति के पश्चात् ठहर जाना सफलता का अंत है। लक्ष्य मिलने पर एक सुखद अनुभव होता है। सफलता इसी अनुभूति का विषय है। इसे अंदर अहसास किया जा सकता है। सफलता का सफर लक्ष्य की मूल्यता के महत्व पर निर्भर करता है। यदि लक्ष्य उत्कृष्ट एवं ऊँचा है, तो सफलता भी उतनी ही महान एवं पावन होगी। यही सफलता की कहानी है , परंतु यह कहानी पूर्णता और संतोष के बिना अधूरी है।

सफलता का पथ दुष्कर नहीं तो सरल भी नहीं है। इस पथ पर अनेक मुसीबतें आती हैं। ये मुसीबतें हैं, अहंकार, सफलता -असफलता का डर, योजना की कमी, लक्ष्य का अभाव, जिंदगी का बदलाव, विश्वास की कमी, आर्थिक असुरक्षा, असहाय पारिवारिक दायित्व, दिशाहीनता, अकेलेपन का अहसास, सारा बोझ स्वयं उठाना, क्षमता से अधिक स्वयं को बाँधना, प्रशिक्षण,दृढ़ता व प्राथमिकता की कमी। इन कठिनाइयों को पार करके ही सफलता का सेहरा सिर पर बँधता है।

सफलता के लिए आवश्यक है दृढ़ मनः स्थिति की। किसी स्थिति में हम अपने आपको कैसे सँभालते और ढालते हो, उसी से हमारी सफलता तय होती है। असफल दो प्रकार के होते हैं, वे जो करते तो हैं, परन्तु सोचते नहीं। दूसरे वे जो सोचते तो हैं, परन्तु कुछ करते नहीं। सोचने विचारने की क्षमता का प्रयोग किए बिना जीवन जीना ठीक उसी तरह है जैसे बिना निशाने के तीर चलाना।

जीवन में असफलताएँ तो सच्ची सहचरी हैं। इनका स्वागत करना चाहिए। ये विनम्रता, संयम और धैर्य की शिक्षा देती है,कष्ट - कठिनाईयों में प्राप्त साहस एवं विश्वास असफलता से जूझने और उबरने में सहायता प्रदान करता है। व्यक्ति को सदैव कठिन परिस्थितियों से ऊपर उठकर जीना व जीतना सीखना चाहिए।

सफल होने के लिए कई गुणों की आवश्यकता पड़ती है। दृढ़ इच्छाशक्ति से सफलता प्राप्त करने की प्रेरणा मिलती है। नैपोलियन हिल का कहना है कि इंसान जो सोच सकता है और जिसमें विश्वास करता, वह उसे प्राप्त भी कर सकता है। प्रतिबद्धता सफलता का आवश्यक गुण है। निष्ठा और बुद्धिमत्ता प्रतिबद्धता बनाने के दो दृढ़ आधार हैं। यहाँ पर निष्ठा का अर्थ है,नुकसान व क्षति होने पर भी अपना कार्य पूरा करना। बुद्धिमत्ता का तात्पर्य है कि ऐसे गलत कार्य ही न करना।

सफलता के लिए जिम्मेदारी भी होनी चाहिए । सच्चरित्र व्यक्ति जिम्मेदारियों को स्वीकारतें हैं । वे अपना फैसला स्वयं करते हैं और अपने जीवन को दिशा भी स्वयं ही देते हैं । मेहनत अपने आप में प्रारंभ भी है और अंत भी । कठोर मेहनत ही सफलता की कुंजी है। पैराडाइज लास्ट लिखने के लिए मिल्टन प्रतिदिन प्रातः चार बजे उठ जाते थे । उन्होंने वर्षो तक यह परिश्रम किया । नोहा वैबस्टर को वैबस्टर डिक्शनरी का संकलन करने में छत्तीय वर्ष लगे । चार्ल्स डार्विन ने अपनी प्रख्यात कृति ' ओरिजीन ऑफ स्पिशीज' बीस वर्ष के कठोर परिश्रम के बाद पूर्ण की थी ।

चरित्र सफलता का अपरिहार्य गुण है । चरित्र, व्यक्ति के नैतिक मूल्यों, विश्वासों और शख्सियत से मिलकर बनता है । जार्ज वाशिंगटन कहते हैं, मैं उम्मीद करता हूँ कि मुझमें सदैव इतनी दृढ़ता और चारित्रिक गुण हों कि मैं एक ईमानदार व्यक्ति के रूप में जाना जा सकूँ । यह मेरे संसार के किसी भी महत्वपूर्ण पद-प्रतिष्ठा से बढ़कर है । चिंतन की उत्कृष्टता सफलता का एक अंग है । सही सोच क्षमताओं का भरपूर उपयोग करने में सहायक होती है । सच्चा विश्वास आत्मविश्वासी होने का दृष्टिकोण है ।

सफलता के कुछ मुख्य उपाय हैं, जिंदगी जीने के लिए है हार के लिए नहीं, सदैव दूसरों की गलतियों से सीखना, चरित्रवान् व्यक्तियों के साथ संबंध बनाना, पाने की अपेक्षा क देने की सोचना, बिना कुछ दिए कभी पाने का प्रयास नहीं करना । दूरगामी सोच, विवेक एवं साहस के साथ कदम बढ़ाना और बढ़ाकर कभी वापस न लेना सफलता का सूत्र है । सफलता प्राप्ति के इच्छुक व्यक्ति को अपनी ईमानदारी के साथ कभी भी समझौता नहीं करना चाहिए ।

***